

श्रीमान

पनावली पेश दुर्क। वकीली वकील अनुं।
व्यापारिक लक्ष्य में वकीली वकील व वकीली
को रकम का विल वाद अवाज लागू कर।
परन्तु उलकी और है कोरि भी उपलब्ध नहीं
हुआ। मसः वकीली का वाद अहम वैश्वी
अदल छाजरी में खारीज। कर्ज। जान ही

पनावली फैसल शुमार कौवा पारवेल
दस्ता हो। भरव्या से कम हो।

(Handwritten signature)

